DHIRUBHAI AMBANI
INTERNATIONAL SCHOOL

PRELIMINARY EXAMINATION 2018-2019

विषय – हिन्दी भाषा और साहित्य
कक्षा– दसवीं 'अ'

दिनांक – ८ जनवरी,२०१९
समय – ३ घंटे
(+१५ मिनट पढ़ने के लिए)
कुल अंक - ८०

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.
You will not be allowed to write during the first 15 minutes.
This time is to be spent in reading the question paper.
The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

---

This Paper comprises of two sections: Section A and Section B.
Attempt all the questions from Section A.
Attempt any four questions from Section B, answering at least one question each from the two books you have studied and any two other questions.
The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [-]

This paper has (5 + 6 questions) on 9 pages.

SECTION A (40 Marks)

Attempt all questions

Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics:- [15]

प्रश्न १ निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए जो दो सौ पचास शब्दों से कम न हो।

i) मनुष्य अपने अनुभव से बहुत कुछ सीखता है। अपने बचपन के दिनों की किसी ऐसी सुखद घटना का वर्णन कीजिए, जिसने आपको जीवन की नई सीख दी हो, यह सीख आपके भावी जीवन में कैसे उपयोगी सिद्ध हो सकती है, इसका विवरण दीजिए।

ii) सूचना क्रांति मानव सभ्यता की सबसे महत्वपूर्ण देन है। इस विषय पर एक संक्षिप्त प्रस्ताव लिखिए।

AMBIKA BOOK DEPOT
Shop No. 1, Rangoli, Vasant Utsav,
Thakur Village, Kandivali (E),
Mumbai - 400 101.
Mob. 9821263050.

Scanned by CamScanner

DHIRUBHAI AMBANI INTERNATIONAL SCHOOL

iii) 'परिवार बालक की प्रथम पाठशाला है।' इस कथन के आधार पर बालक के लिए परिवार की महत्ता पर प्रकाश डालिए।

iv) एक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो –

'सत्य ही जीवन का आधार है।'

v) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर उसका परिचय देते हुए कहानी अथवा लेख लिखिए जिसका सीधा संबन्ध चित्र से होना चाहिए।

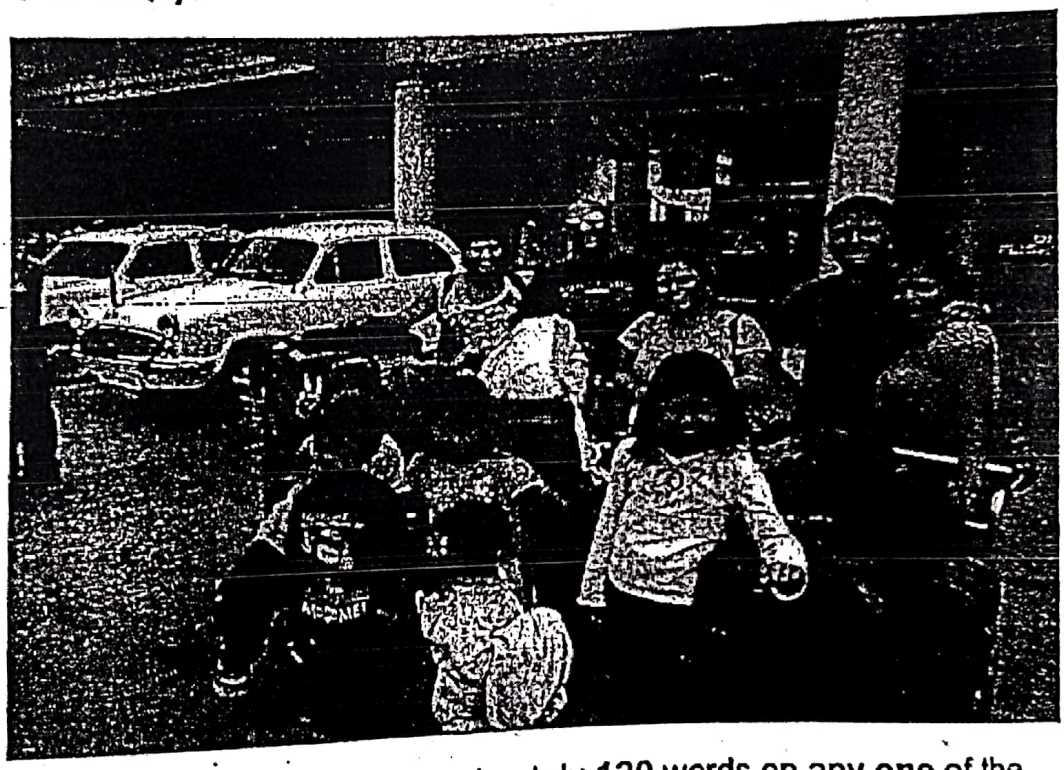

प्रश्न २ Write a letter in Hindi in approximately **120** words on any **one** of the topics given below. **[7]**

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर पत्र लिखिए।

i) छुट्टियों के बाद छात्रावास में सकुशल पहुँच जाने की सूचना देते हुए अपने पिताजी को पत्र लिखिए।

ii) आपके क्षेत्र में सड़कों पर रोशनी न होने से अँधकार रहता है। नगर निगम के अधिकारी को पत्र लिखकर अपेक्षित प्रबंध करवाने के लिए प्रार्थना पत्र लिखिए।

M... BOOK DEPOT
...op No. 1 ...li, Vasant Utsav,
Thak... Kandivali (E),

Scanned by CamScanner

प्रश्न ३ Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible:-
नीचे लिखे गद्यांश को ध्यान से पढ़िये और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दीजिए ।

आज हमारे लिए सचमुच बड़ी लज्जा तथा क्षोभ का विषय है कि अपना कार्य अपने हाथों करते हुए हमें संकोच का अनुभव होता है। पाश्चात्य सभ्यता की टीम–टाम तथा अनुकरण की कुप्रवृत्ति ने हमें इस ओर बढ़ावा दिया है। अपने बड़प्पन को तथा झूठे अभिमान को प्रकट करने के लिए हम इस बात में गौरव अनुभव करते है कि हमारा कार्य दूसरा व्यक्ति करे। अपना कमरा साफ करने के लिए हम नौकर रखेंगे। घर के सारे काम–काज नौकर से करवाएँगे। मतलब यह है कि बिना नौकर की सहायता के हम उँगली भी नहीं उठाएँगे। सोते–जागते, उठते–बैठते हम दूसरों पर ही निर्भर रहेंगे और तुर्रा यह कि हम जितने नौकर रखेंगे ,उतना हीं बड़प्पन का अनुभव करेंगे। यह बड़ा भयानक रोग है। ऐसी परावलंबी मनोवृत्ति रखने वाले व्यक्तियों के जीवन की गति पंगु बन जाती है। उसकी गति को लकवा मार जाता है। आगे बढ़ना तो दूर रहा नैतिक, आर्थिक और शारीरिक सभी रूपों में उनका पतन आरम्भ हो जाता है। जीवन में भी वे कोई काम पूरा नहीं कर पाते क्योंकि उन्हें अपनी शक्ति पर भरोसा नहीं होता। पुरुषार्थहीन व्यक्ति तो इस पृथ्वी पर बोझ बन कर जीते हैं। स्वावलम्बन के लिए आत्मविश्वास का होना अति आवश्यक है। जब तक हमें अपनी शक्ति पर भरोसा नहीं होगा, तब तक हम अपना कार्य अपने हाथों से करने की बात अपने मन में ला भी कहाँ सकते हैं। फिर तो खुद निराश होकर हम दूसरों की सहायता की प्रार्थना करेंगे। इसका फल यह होगा कि धीरे–धीरे हमारी कार्य शक्ति नष्ट हो जायेगी।
हमारा विश्वास अपने ऊपर से उठ जायेगा और तब कोई भी कार्य करने में हम अपने आप को असमर्थ पाएँगे। समाज, राष्ट्र और संसार के लिए तो हम कर ही क्या सकेंगे। अतएव स्वावलंबी बनने के लिए आवश्यक है कि हम आत्मविश्वासी बनें। अपनी शक्ति पर विश्वास करें और जो भी काम हाथ में लें उसे पूर्ण करें।

संसार में जितने भी महापुरूष हुए वे स्वावलम्बन के पुजारी थे। अब्राहम लिंकन, महात्मा गाँधी, ईश्वर चन्द्र विद्यासागर, मदन मोहन मालवीय आदि महापुरुषों को कौन नहीं जानता। निर्धनता में इनका पालन–पोषण हुआ था परन्तु अपने

AMBIKA BOOK DEPOT
Shop No. 1, Rangoli, Vasant Utsav,
Thakur Village, Kandivali (E),
Mumbai - 400 101

Scanned by CamScanner

पुरुषार्थ के बल से जीवन को उँचा उठाया। स्वावलंबन की सुधा पीकर उन्होंने अमरता प्राप्त की। इसी कारण वे मर कर जीवित हैं।

i) पाश्चात्य सभ्यता ने हमें किस प्रकार प्रभावित किया है? [2]

ii) परावलम्बी शब्द का अर्थ लिखकर बताइये कि इसका भारतीय समाज पर क्या प्रभाव पड़ रहा है? [2]

iii) हम अपने आप को कब और क्यों असमर्थ पाते हैं? [2]

iv) अमरता प्राप्त करने वाले महापुरुषों ने किस प्रकार अपना जीवन स्तर उँचा किया? [2]

प्रश्न ४ **Answer the following according to the instructions given:-**

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए।

i) निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द दीजिए। [1]

अनुपम,लहर

ii) निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक दीजिए। [1]

उत्थान,लघु

iii) नीचे लिखे मुहावरों मे से किन्ही दो के अर्थ लिखिए और वाक्य में प्रयोग कीजिए। [2]

कलई खुलना, वीर गति पाना

iv) निम्न शब्दों के विशेषण बनाइए। [1]

स्वभाव, खर्च

v) निम्नलिखित शब्दों के भाववाचक संज्ञा शब्द दीजिए। [1]

मीठा, कायर

vi) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए। [1]

Scanned by CamScanner

DHIRUBHAI AMBANI
INTERNATIONAL SCHOOL

उद्योग से सम्बन्धित, जिसका वर्णन न किया जा सके।

[3]

प्रश्न ५ निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार दोबारा लिखिए।

i) धूप और चाँदनी से ही समय जान लिया जाता है।

समय का ज्ञान .....

ii) समीर अपने सुखद स्पर्श से मुख को खिला देता है।

मुख खिल जाता है .....

iii) आज साहित्य में अंतर को छूने को शक्ति नहीं है।

वाक्य का अर्थ बदले बिना 'नहीं' हटाइये।

Scanned by CamScanner

DHIRUBHAI AMBANI
INTERNATIONAL SCHOOL

SECTION B (40Marks)

Attempt four questions from this section.

You must answer at least one question from each of the two books you have studied and any two other questions.

साहित्य सागर – गद्य

प्रश्न ६ **बस ज़रा सी उम्र में ही इसकी मौत से पहचान हो गई। मुझे अचरज हुआ, पूछा– "मर गया?'**

अपना–अपना भाग्य

जैनेंद्र कुमार

i) यहाँ किसकी मौत से पहचान हो गई? मरने वाला बालक कौन था और वह कैसे मर गया था? [2]

ii) लेखक के अचरज का क्या कारण था? वे उस बालक को कहाँ ले गये और क्यों? [2]

iii) वकील साहब के नीचे उतरते हुए उनके स्वर में हल्की झुँझलाहट और लापरवाही क्यों थी? [3]

iv) लेखक ने इस कहानी में यथार्थ जीवन का चित्रण करने में कहाँ तक सफल हुए हैं? उदाहरण सहित लिखिए। [3]

प्रश्न ७ **'अकस्मात शुभ कार्य में विघ्न की तरह उग्र रूप धारण किए हुए विश्वेश्वर वहाँ आ घुसे।'**

काकी

सियारामशरण गुप्त

i) 'शुभ कार्य' और 'विघ्न' शब्दों का प्रयोग किस-किस संदर्भ में किया गया है? [2]

ii) विश्वेश्वर उग्र क्यों थे? [2]

A BOOK DEPOT
1, Rangoli, Vasant Utsav,

Scanned by CamScanner

iii) विश्वेश्वर ने धमकाकर किससे क्या पूछा तथा उन्हें असलियत का पता कैसे चला? [3]

iv) 'काकी' कहानी में एक अवोध बालक की मातृ-वियोग की पीड़ा व्यक्त की गई है -स्पष्ट कीजिए। [3]

प्रश्न ८ 'कागज़ पर निर्जीव चित्रों को वनाने के बजाय दो-चार की ज़िन्दगी क्यों नहीं वना देती, तेरे पास सामर्थ्य है,साधन है।'

दो कलाकार

मन्नू भंडारी

i) वक्ता तथा श्रोता का नाम लिखते हुए इन पंक्तियों का संदर्भ लिखिए। [2]

ii) 'कागज पर निर्जीव चित्रों' से आप क्या समझते हैं? वक्ता चित्रों को निर्जीव क्यों कह रही है? [2]

iii) उपरोक्त कथन में वक्ता श्रोता को किस कार्य को करने के लिए प्रेरित कर रही है और क्यों? [3]

iv) 'दो कलाकार' कहानी की पात्रा अरुणा व चित्रा की चारित्रिक विशेषता पर प्रकाश डालिए। [3]

साहित्य सागर – पद्य

प्रश्न ९

ऊँचा खड़ा हिमालय, आकाश चूमता है,
नीचे चरण तले पड़,नित सिन्धु झूमता है।
गंगा,यमुना,त्रिवेणी,नदियाँ लहर रही है,
जगमग छटा निराली,पग-पग पर लहर रही है।
वह पुण्य भूमि मेरी,वह मातृभूमि मेरी।

वह जन्मभूमि मेरी

सोहन लाल द्विवेदी

MBIKA BOOK DEPOT
Shop No. 1, Ramdoli, Vasant Utsav,
Thakur Village, Kandivali (E),
Mumbai - 400 101.
Mob. 9821263030

Scanned by CamScanner

i) प्रस्तुत पद्यांश में कवि ने भारत के उत्तर और दक्षिण का वर्णन किस प्रकार किया है? [2]

ii) 'त्रिवेणी' से कवि का क्या अभिप्राय है?उसका भारतीय इतिहास में क्या महत्व है? [2]

iii) भारत को पुण्यभूमि और स्वर्ण भूमि क्यों कहा गया है?समझाकर लिखिए। [3]

iv) कवि ने भारत को अपनी जन्मभूमि और मातृभूमि क्यों कहा है?समझाइए। [3]

प्रश्न १०

मैया मेरी,चंद्र खिलौना लैहौं।
धौरी को पय पान न करिहौं, बेनी सिर न गुथैहौं।
मोतिन माल न धरिहौं उर पर, झंगुली कंठ न लैहौं।
जैहौं लोट अबहिं धरनी पर, तेरी गोद न ऐहौं।
लाल कहैहौं नंदबबा को, तेरो सुत न कहैहौं।
खान लाय कछु कहत जसोदा, दाउहिं नाहिं सुनैहौं।
चंदा हूँ ते अति सुंदर तोहिं नवल दुलहिया ब्यैहौं।
तेरी सौं मेरी सुन मैया, अबहीं ब्याहन जैहौं
'सूरदास" सब सखा बराती, नूतन मंगल गैहौं।

सूर के पद

सूरदास

i) कृष्ण किससे किस बात की हठ कर रहे हैं? [2]

ii) हठ पूरी न होने पर कृष्ण क्या-क्या न करने को कहते हैं? [2]

iii) कृष्ण को मनाने के लिए यशोदा ने उनके कान में क्या कहा? उसकी क्या प्रतिकिया हुई? [3]

..KA BOOK DEPOT
op No. 1, Rangoli, Vasant Utsav,
Thakur Village, Kandivali (E),
Mumbai - 400 101.

Scanned by CamScanner

iv) निम्न शब्दों का अर्थ लिखिए। [3]

बनी, धरनी, नवल, सौं, पय, दाउहिं।

प्रश्न ११

लेकिन विघ्न अनेक अभी
इस पथ पर अड़े हुए हैं
मानवता की राह रोककर
पर्वत अड़े हुए हैं।
न्यायोचित सुख सुलभ नहीं
जब तक मानव–मानव को
चैन कहाँ धरती पर तब तक
शांति कहाँ इस भव को?

स्वर्ग बना सकते हैं

रामधारी सिंह दिनकर

i) यहाँ किस पथ की बात की जा रही है? उस पथ पर क्या बाधाएँ हैं? [2]

ii) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए – विकीर्ण, तुष्ट, कीत, मुक्त, समीरन [2]

iii) संसार में शांति बनाए रखने के लिए कवि के अनुसार क्या होना चाहिए? क्या धरती को स्वर्ग बनाया जा सकता है? यदि हाँ तो कैसे? [3]

iv) प्रस्तुत कविता का केन्द्रीय भाव लिखिए। [3]

Scanned by CamScanner